लखनऊ
सोमवार, 23 मई 2022
वर्षः-6 अंकः-42
पृष्ठः-8 मूल्यः- 2 रुपये
RNI- UPHIN/2016/74800

हिन्दी साप्ताहिक

करण वाणी

नई सोच, नया जुनून.....

बीजेपी के सत्ता में आने के बाद सड़कों पर नमाज हुई बंदः योगी

योगी आदित्यनाथ ने कहा, हमारी सरकार ने राज्य में अवैध बूचड़खानों को बंद कर दिया है, हमने राज्य में गायों को सुरक्षित और स्वस्थ रखने के लिए गौशाला बनाई, धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर भी हटा दिए।

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को खलकर अपने सरकार की तारिफ की. उन्होंने कहा कि राज्य में बीजेपी के सत्ता में आने के बाद से ईद के मौके पर सड़कों पर नमाज पढ़ना बंद हो गया है. मुख्यमंत्री ने राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति पर भी प्रकाश डाला और कहा कि उत्तर प्रदेश में रामनवमी के अवसर पर कोई सांप्रदायिक झड़प नहीं हुई. सीएम योगी ने कहा, " इस बार यूपी में रामनवमी भव्य तरीके से मनाई गई. लेकिन राज्य में कहीं भी हिंसा नहीं हुई. वहीं, उत्तर प्रदेश में पहली बार ईद और अलविदा जुमा (रमजान का आखिरी शुक्रवार) पर नमाज सड़क पर नहीं हुई है।

बीते पांच सालों में नहीं हुआ एक भी दंगा

पिछले पांच सालों से राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति की सराहना करते हुए (जिसे बीजेपी ने विधानसभा चुनाव 2022 के चुनाव प्रचार दौरान खूब भुनाया था) मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के बाद से उनके कार्यकाल के दौरान एक भी दंगा नहीं हुआ है।

अवैध बूचड़खानों को बंद कर दिया

योगी आदित्यनाथ ने कहा, " हमारी सरकार ने राज्य में अवैध बूचड़खानों को बंद कर दिया है. हमने राज्य में गायों को सुरक्षित और स्वस्थ रखने के लिए गौशाला बनाई, धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर भी हटा दिए, साथ ही हमारी सरकार ने 700 से अधिक धार्मिक स्थलों का पुनर्निर्माण किया है।

An ISO 9001-2008 Certified Institute

डी.एन.एम.ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, लखनऊ

एन.एच.25-ए,कटी बगिया (साई मंदिर के पास), बंथरा, कानपुर रोड, लखनऊ

"ZERO शिक्षण शुल्क "

- JEECUP काउंसलिंग मे उत्तीर्ण छात्र / छात्राओं के लिए
- SC/ST वर्ग के लिए
- EWS (आर्थिक रूप से कमजोर)के लिए
- छात्राओं के लिए

पॉलीटेक्निक
अन्य सभी वर्गो के लिए
15000 प्रति वर्ष

बी.ए./बी.एस.सी.
अन्य सभी वर्गो के लिए
10000 प्रति वर्ष

सम्पर्क करें –7880341111

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरने के लिए www.dnmiet.ac.in

ग्राम पंचायतों में स्वयं सहायता समूह का हो रहा दुरुपयोग

आत्मनिर्भर होने से आज भी वंचित है गांव की गरीब महिलाएं, समूह में आये रुपयों को उठाया जा रहा ब्याज पर

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ (अरविंद सिंह चौहान)। केंद्र सरकार ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ग्राम पंचायतों में स्वयं सहायता समूह को संचालित किया। जिससे ग्रामीण क्षेत्र में रह रही गरीब महिलाएं आत्मनिर्भर होकर अपने परिवार की आर्थिक तंगी में सहयोगी बन सके। लेकिन इसका खुलेआम दुरुपयोग किया जा रहा है।

ग्राम संगठन अध्यक्ष, अध्यक्ष सीएलएफ, राष्ट्रीय आजीविका मिशन बीएमएम सरोजनीनगर की मिलीभगत के चलते अब तक समूहों में आये करोड़ों रुपए का घालमेल तीनों की तिकड़ी द्वारा किया जा रहा है। क्षेत्र में कहीं पर भी गांवों में इस योजना के तहत कोई भी रोजगार होता दिखाई नहीं दे रहा है।यहां तक इस समूह में अधिकांश अशिक्षित महिलाओं को शामिल इसलिए किया गया है जिससे इनके घालमेल का पता किसी को न चल सके।

महिलाओं के उत्थान के लिए चलाए जा रहे समूह का लाभ अधिकांश गरीब महिलाओं को आज भी न मिल पाने की वजह से उनकी आर्थिक स्थिति जस की तस बनी हुई है। कई महिलाओं ने दो समूह को छोड़ भी दिया क्योंकि इन तीन महिलाओं की तिकड़ी के चलते उनको जबरदस्त तरीके से अनावश्यक

परेशान किया जाता रहा है। गांवों में बनाए गए अधिकांश समूह में अशिक्षित महिलाओं को शामिल करके केंद्र सरकार द्वारा संचालित योजना के माध्यम से धनराशि को अर्जित कर अनाप-शनाप ब्याज दर पर समूह के बाहर के लोगों को पैसा दिया गया है।समूह की महिलाएं अपने आवश्यक कार्य के लिए पैसे लेने के लिए ग्राम संगठन की अध्यक्ष , अध्यक्ष सीएलएफ, राष्ट्रीय आजीविका मिशन बीएमएम सरोजनीनगर के पास गिड़गिड़ाती रहती है लेकिन उनको पैसा नहीं दिया जाता है।कई संगठन की महिलाओं का आरोप है कि इन पदाधिकारियों द्वारा यह कहा जाता है कि अभी समूह में पैसा नहीं है जब पैसा आएगा तब तुमको देंगे।

जबकि पैसे के लिए वर्षों से महिलाएं इनसे फरियाद कर रही हैं लेकिन फिर भी आज तक अधिकांश महिलाओं को एक रुपये की आर्थिक सहायता समूह के माध्यम से नहीं मिल सकी। समूह में इन पदाधिकारियों के मनमानी का आलम यह है कि भारत सरकार द्वारा निर्धारित 1% ब्याज दर से समूह से दी गई रकम की वसूली समूह की महिलाओं से की जानी चाहिए। परंतु इसके बावजूद समूह की महिलाओं से 2% की ब्याज दर वसूली की जा रही है। जिसको लेकर काफी हू हल्ला हो चुका है। इसके बावजूद इनके रवैये में कोई व्यापक सुधार नहीं हो सका।

इतना ही नहीं समूह में आए करोड़ों रुपए को निकाल कर समूह के बाहर के लोगों को 5 से 10% ब्याज की दर से दिया गया है।जिसकी वसूली संगठन की ग्राम संगठन अध्यक्ष , अध्यक्ष सीएलएफ , राष्ट्रीय आजीविका मिशन बीएमएम सरोजनीनगर द्वारा की जा रही है जिससे प्रति महीने लाखों रुपए की आमदनी हो रही है।

ग्राम सभाओं में संचालित इन समूहों की तरफ कोई भी अधिकारी ध्यान नहीं देता है जिसकी वजह से इनकी मनमानी अपने चरम सीमा पार करती जा रही है। इन समूहों के माध्यम से कई ग्राम सभा की महिलाओं को लाभ के लिए योजनाएं आई लेकिन उनको इसकी जानकारी नहीं दी गई।अपनी मनमानी करते हुए ग्राम संगठन अध्यक्ष द्वारा जिसको चाहा उसकी नियुक्ति करा दी गई जो इसकी पात्र भी नहीं थी। नियुक्ति की गई पदाधिकारी से अधिक शिक्षित महिलाएं आज भी अपने हक से वंचित इसलिए हैं क्योंकि उनको इसकी जानकारी ही नहीं दी जाती है।पूरी तरीके से गांवों में चलाए जा रहे समूहों में भ्रष्टाचार का इतना बड़ा बोलबाला है।अगर इसकी पूरी जांच विकासखंड स्तर पर कराई जाए तो लाखों करोड़ों रुपए का घोटाला उजागर होगा।

ट्रैफिक सिस्टम को वीआईपी कल्चर से बाहर नहीं निकाल पा रही पुलिस

अव्यवस्था के कारण बनी, कटी बगिया व जुनाबगंज तिराहे पर रोज लगता है जाम

पंकज सिंह चौहान

लखनऊ (करण वाणी,न्यूज)। शहर की ट्रैफिक व्यवस्था केवल वीआईपी आने पर ही दुरुस्त रहती है। सड़कें भी खुली नजर आती हैं और पुलिसकर्मी अपना दायित्व सही से निभाते हैं।

विगत दिनों पीएम नरेंद्र मोदी नेपाल के एक दिवसीय दौरे से लौटकर सीधे कुशीनगर पहुंचे थें, जहां उन्होंने बुद्ध मंदिर में पूजा की, उसके बाद पीएम मोदी नें लखनऊ पहुंचकर मंत्रियों के साथ बैठक की।

जिस कानपुर राजमार्ग पर रोजाना वाहन अव्यवस्थित ढंग से खड़े मिलते थें, वही पीएम मोदी के आने से कानपुर रोड का नजारा बिल्कुल अलग था, शाम को नो एंट्री खुलने के इंतजार में जो ट्रक नेशनल हाईवे पर दो-दो लाइन लगाकर बेतरतीब ढंग से गाड़ी खड़ी कर देते थे, पीएम मोदी के आने से वह नजारा बिल्कुल बदला हुआ था, सड़कें इतनी खुली नजर रही थी कि हर कोई एक ही बात पूछ रहा था आज कौन आने वाला है। हर 50 मीटर की दूरी पर पुलिस को तैनात किया गया था। जो भी वाहन चालक या रेहड़ी वाला रोड पर एक सेकंड के लिए भी खड़ा हो रहा था तो पुलिस अधिकारी कर्मचारी उसे तभी खदेड़ रहे थे। वाहन लेकर आने वाले लोग यही बोल रहे थे कि काश ऐसा ही नजारा हर रोज हो तो लाखों रुपये का तेल बर्बाद होने से बच पाए, जाम में फंसने पर बर्बाद होने वाला समय काम में लग जाए।

अव्यवस्था के कारण बनी, कटी बगिया व जुनाब गंज तिराहे पर रोज लगता है जाम

जाम लगने का मुख्य कारण है कानपुर रोड पर अव्यवस्थित ढंग से खड़े होने वाले ट्रक। जुनाबगंज में अवैध रूप से लगने वाली मौरंग मंडी भी जाम का मुख्य कारण है, सुबह से ही सैकड़ों ट्रक रोड पर बेतरतीब तरीके से खड़े हो जाते हैं, जिसके कारण प्राइवेट वाहनों को निकलने में काफी समस्या का सामना करना पड़ता है, वहीं शाम को नो एंट्री खुलने के इंतजार में सोहरामऊ से लेकर जुनाबगंज तक कानपुर नेशनल हाईवे पर ट्रक ड्राइवर आधी रोड पर अपना कब्जा जमा लेते हैं, और डबल लाइन में ट्रक खड़े कर देते हैं, जिसके कारण जुनाबगंज में शाम को भीषण जाम लग जाता है।

लोगों का कहना है कि जिस हिसाब से ट्रैफिक पुलिस अधिकारी कर्मचारी शहर में वीआईपी के आगमन पर अपनी ड्यूटी का निर्वाह जितनी जिम्मेवारी से करते हैं उसका आधा प्रतिशत भी अगर रोजाना करें तो लोगों को जाम से निजात मिल सकती है। वीआईपी आगमन पर होने वाली ड्यूटी तथा आम दिनों में होने वाली ड्यूटी से ऐसा लगता है कि आम दिनों में पुलिस अधिकारी कर्मचारियों को जाम से कोई लेना-देना नहीं है। जाम में चाहे एंबुलेंस फसे या फिर दमकल विभाग की गाड़ी।

अब ऐसे में कमिश्नर साहब को ही यह निर्णय लेना होगा कि ट्रैफिक व्यवस्था रोजाना वीआईपी के आगमन जैसी होगी या फिर ऐसे ही जाम में फंसकर लोग पुलिस अधिकारी कर्मचारियों को कोसते रहेंगे।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में मारी टक्कर, महिला की मौत

सरोजनीनगर लखनऊ (करण वाणी,न्यूज)। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में शनिवार को तेज रफ्तार बेकाबू ट्रक ने एक बाइक में जोरदार ठोकर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार महिला की मौत हो गई। जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। तालकटोरा के राजाजीपुरम निवासी अशोक वर्मा (38) अपनी पत्नी आरती (35) को बाइक से लेकर शनिवार को बंथरा स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती अपने रिश्तेदार को देखने जा रहे थे। तभी दोपहर करीब 12 बजे सरोजनीनगर में कानपुर रोड स्थित शहीद पथ तिराहे के पास पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार बेकाबू ट्रक ने उनकी बाइक में जोरदार ठोकर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार दंपति बाइक सहित सड़क पर गिर गए। सड़क पर छिटक कर गिरते ही ट्रक ने आरती को रौंद दिया। जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं बाइक चालक अशोक गंभीर रूप से घायल हो गया। गंभीर अवस्था में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उधर पुलिस ने आरती के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद वाहन लेकर भाग रहे ट्रक चालक को राहगीरों ने दौड़ाकर धर दबोचा और बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने ट्रक को अपने कब्जे में लेने के साथ ही उसके चालक को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ कर रही है।

संदिग्ध हालत में मजदूर की मौत

सरोजनीनगर लखनऊ (करण वाणी,न्यूज)। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक मजदूर की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने पड़ोस में रहने वाले दो किशोरों की वजह से उसकी मौत होने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की रिपोर्ट दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है।

सरोजनीनगर के काशीराम कॉलोनी - दरोगाखेड़ा निवासी सौरभ के मुताबिक कॉलोनी के रहने वाले सगे भाई हव्वा व पोपो का कुछ पैसा मेरे चचेरे भाई पिंटू (30) पर बकाया है। आरोप है कि शनिवार को सुबह करीब 10 बजे पिंटू से दोनों आरोपी किशोरों ने पैसे की मांग की तो आपस में विवाद हो गया। इस दौरान मोहल्ले वालों ने बीच-बचाव करा दिया। इसके बाद पिंटू घर पहुंचा और अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। उसकी हालत बिगड़ते देख परिजन आनन फानन उसे सरोजनीनगर समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गये। लेकिन वहाँ पहुँचते ही चिकित्सकों ने पिंटू को मृत घोषित कर दिया। उधर पुलिस का कहना है कि दोनों आरोपी किशोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल की जा रही है और पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण पता चल सकेगा।

खुदाई पर कोई फैसला नहीं लिया: संस्कृति मंत्री

लखनऊ (करण वाणी,न्यूज)। केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने मीडिया रिपोर्ट का खंडन करते हुए कहा है कि अभी कुतुब मीनार खुदाई का कोई फैसला नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा क पुरातत्व सर्वेक्षण (अरक) की ओर से कुतुब मीनार परिसर में कोई भी खुदाई नहीं की जाएगी।

२अभी तक इस बारे में हमने कोई भी डिसीजन नहीं लिया है।

इससे पहले खबर आई थी कि कुतुब मीनार के पास स्थित मस्जिद से 15 मीटर की दूरी पर खुदाई की जा सकती है। मंत्रालय के सचिव गोविंद मोहन ने शनिवार को इसके लिए हाईलेवल मीटिंग भी की है। कुतुब मीनार में 1991 में अंतिम बार खुदाई का काम हुआ था।

कुतुबमीनार स्थित मस्जिद का मुख्यद्वार। शनिवार को अरक के अधिकारियों ने इसका दौरा किया।

कुतुबमीनार स्थित मस्जिद का मुख्यद्वार। शनिवार को अरक के अधिकारियों ने इसका दौरा किया।

परिसर में पूजा के लिए दाखिल है याचिका

दिल्ली के साकेत कोर्ट में 17 मई को कुतुब मीनार परिसर में पूजा की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई टल गई थी। इस याचिका पर 24 मई को सुनवाई होनी है। यूनाइटेड हिंदू फ्रंट ने 2022 में याचिका दाखिल की थी। याचिका में कहा गया था कि कुतुब मीनार स्थित कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद को हिन्दू और जैन धर्म के 27 मंदिर को तोड़कर बनाया गया है। ऐसे में वहां फिर से मूर्तियां स्थापित की जाएं और पूजा करने की इजाजत दी जाए।

अरकके पूर्व रीजनल डायरेक्टर ने किया था दावा

इंडिया टुडे को दिए इंटरव्यू में अरकके पूर्व रीजनल डायरेक्टर धर्मवीर शर्मा ने दावा किया है कि कुतुब मीनार को कुतब-उद-दीन ऐबक ने नहीं बनवाया था। उन्होंने इसको लेकर 3 बड़े दावे किए थे।

पूर्व अरक अफसर के 3 बड़े दावे...

1. कुतुब मीनार नहीं, सन टॉवर

यह कुतुब मीनार नहीं, सन टॉवर है। मेरे पास इस संबंध में बहुत सारे सबूत हैं। शर्मा ने अरकके तरफ से कई बार कुतुब मीनार का सर्वेक्षण किया है।

2. मीनार के टॉवर में 25 इंच का झुकाव

उन्होंने कहा, 'कुतुब मीनार के टॉवर में 25 इंच का टिल्ट (झुकाव) है, क्योंकि यहां से सूर्य का अध्ययन किया जाता था।

इसीलिए 21 जून को सूर्य आकाश में जगह बदल रहा था तब भी कुतुब मीनार की उस जगह पर आधे घंटे तक छाया नहीं पड़ी। यह विज्ञान है और एक पुरातात्विक साक्ष्य भी।'

3. रात में ध्रुव तारा देखा जाता था

शर्मा ने बताया कि लोग दावा करते हैं कि कुतुब मीनार एक स्वतंत्र इमारत है और इसका संबंध करीब की मस्जिद से नहीं है। दरअसल, इसके दरवाजे नॉर्थ फेसिंग हैं, ताकि इससे रात में ध्रुव तारा देखा जा सके।

धमाका बनी कार्तिक आर्यन की फिल्म, दूसरे दिन की तूफानी कमाई

कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 2 ने साल की सबसे बड़ी ओपनिंग मानी जा रही अक्षय कुमार की फिल्म बच्चन पांडे का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

नई दिल्ली। कार्तिक आर्यन की फिल्म 'भूल भुलैया 2' 20 मई को रिलीज हो गई है. इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ऐसा कमाल कर दिया है, जैसा अब तक कई हिंदी के सितारे अपनी फिल्मों से करना चाहते थे. जी हां, कार्तिक आर्यन की फिल्म 'भूल भुलैया 2' ने बॉक्स ऑफिस पर इतनी तगड़ी ओपनिंग की है, जो पिछले 5 महीनों में अब तक किसी हिंदी सितारे की फिल्म नहीं कर पाई

बता दें, अक्षय कुमार की फिल्म 'बच्चन पांडे' इस साल हिंदी सितारों में सबसे ज्यादा ओपनिंग लेने वाली फिल्म थी. फिल्म ने पहले दिन 13.25 करोड़ रुपये कमाए थे. कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी की फिल्म ने इस रिकॉर्ड को तोड़ दिया है।

हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूल भुलैया 2' को देशभर में करीब 3200 स्क्रीन्स पर रिलीज किया गया है. उम्मीद जताई जा रही थी कि फिल्म अपने ओपनिंग डे पर करीब 11 करोड़ का बिजनेस कर सकती है, लेकिन फिल्म ने उम्मीदों से परे पहले दिन 16.50 करोड़ रुपये की ताबड़तोड़ कमाई की. पहले दिन की फिल्म की नेट कमाई करीब 14.11 करोड़ रुपये रही. कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 2 ने साल की सबसे बड़ी ओपनिंग मानी जा रही अक्षय कुमार की फिल्म बच्चन पांडे का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. वहीं बात करें दूसरे दिन यानी शनिवार की तो मिली जानकारी के अनुसार फिल्म ने दूसरे दिन 21.10 करोड़ का कुल बिजनेस (ग्रॉस कलेक्शन) किया. यानी दो दिनों में ही फिल्म तकरीबन 31.11 करोड़ रुपए कमाने में कामयाब हो गई है.

गौरतलब है कि 'भूल भुलैया 2' से पहले कार्तिक आर्यन की फिल्म 'लव आजकल 2' ने बॉक्स ऑफिस पर उनके करियर में सबसे बड़ी ओपनिंग ली थी. इस फिल्म ने पहले दिन 12 करोड़ का बिजनेस किया था. हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुल 34.99 करोड़ रुपये कमाकर फ्लॉप हो गई थी. अनीस बज्मी की फिल्म भूल भुलैया 2 में कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी के अलावा तब्बू, राजपाल यादव, परेश रावल, अंगद बेदी जैसे सितारे भी मुख्य भूमिका में हैं.

देसी सुपरसोल्जर की भूमिका में चमके जॉन

जॉन अब्राहम की फिल्म 'अटैक' सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। जॉन की ये फिल्म देशभक्ति की कहानी पर आधारित है। 'अटैक' दो पार्ट में रिलीज होगी, आइए आपको फिल्म के पहले पार्ट का रिव्यू देते हैं।

नई दिल्ली। सेनाओं को भविष्य के युद्ध के लिए तैयार रहना है। ये युद्ध सीमाओं पर भी होंगे, सीमाओं के भीतर भी होंगे और सीमाओं से परे भी होंगे। ये युद्ध शारीरिक शक्ति से ज्यादा मानसिक शक्ति का इम्तिहान होंगे और इम्तिहान होंगे हमारे सियासी नेताओं के। फिल्म अटैक एक ही फिल्म के रूप में बननी शुरू हुई, लेकिन जॉन अब्राहम की मानें तो ये फिल्म जहां आकर अपने मिशन का समापन दिखाती है, वहां से इसकी कहानी आगे जानी ही जानी है तो फिल्म का दूसरा भाग भी बनने ही वाला है। स्क्रिप्ट तैयार है। सितारे तैयार हैं, लेकिन क्या पब्लिक तैयार है, आइए इसका पता लगाते हैं। विज्ञान एक अच्छा नौकर है लेकिन इसके हाथ में मालिकाना हक दे दिया जाए तो ये सत्यानाश भी कर सकता है। यूक्रेन में दुनिया इसे देख रही है। फिल्म अटैक के साथ ही रिलीज हुई मार्वल कॉमिक्स की फिल्म मॉरबियस भी विज्ञान पर नियंत्रण की ही कहानी है, लेकिन फिल्म अटैक पार्ट वन में संभावनाएं ज्यादा हैं और यहीं ये फिल्म अपने साथ ही रिलीज हुई हॉलीवुड फिल्म से इक्कीस साबित होती है। फिल्म का सरप्राइज हैं जैकलीन फर्नांडीज, जिन्होंने पहली बार अपने अभिनय को इतनी सहजता से परदे पर पेश किया।

कहानी एक सुपर सोल्जर की

फिल्म अटैक पार्ट वन वहां से शुरू होती है, जहां इन दिनों राष्ट्र प्रेम पर बनी हर फिल्म जाना चाहती है, यानी कश्मीर। अर्जुन शेरगिल के जिम्मे एक मिलिट्री ऑपरेशन है। बात आज से 10 साल पहले की है। 15 साल का एक बच्चा फिदायीन बना सामने मिलता है। अर्जुन उसे बचा भी लेता है। 10 साल बाद वही बच्चा देश के प्रधानमंत्री के सिर पर पिस्तौल सटाए संसद में बैठा है। अर्जुन को समझ आता है कि अच्छा होना अच्छी बात है, लेकिन दूसरे का अच्छा करने से पहले अपना अच्छा करना उससे जरूरी बात है। फर्क इस बीच ये आया है कि एक आतंकी हमले में वह अपनी प्रेमिका आयशा को खो चुका है। उसका शरीर भी गर्दन के नीचे से बेकार हो चुका था लेकिन सेना के एक अफसर ने एक वैज्ञानिक के साथ मिलकर उसे जीवनदान दिया। वह अब सुपरसोल्जर है।

जॉन अब्राहम का नया प्रयोग

सुपरसोल्जर की अवधारणा नई नहीं है। तमाम विदेशी फिल्मों में दर्शक इसे देख भी चुके हैं। नया है इस सुपरसोल्जर का और इसके शरीर में लगाए गए कंप्यूटरीकृत सिस्टम की कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के बीच संवाद। जॉन अब्राहम ने अमेरिका के एक दिव्यांग की कहानी से प्रेरित होकर ये कहानी सोची। फिल्म ह्यन्यूयॉर्कह्ल के दिनों के अपने परिचित लक्ष्य राज आनंद को इस पर फिल्म बनाने की जिम्मेदारी सोची। सोचने वाली बात यहां ये है कि लक्ष्य राज आनंद को यशराज फिल्म्स की पाठशाला में ट्रेनिंग मिली। भाई भी उनका बड़ा डायरेक्टर है। लेकिन, बतौर निर्देशक उन्हें पहला मौका दिया जॉन अब्राहम ने। वह इसके प्रोड्यूसर भी हैं और जॉन की बनाई फिल्मों की एक

ब्रांडिंग तो है कि ये आपको बोर नहीं करती और कुछ नया दिखा जाती है।

तकनीकी रूप से समृद्ध फिल्म

विकी डोनर, ह्यमद्रास कैफे और ह्यबाटला हाउस जैसी फिल्मों की बनाई लीक पर आगे बढ़ती फिल्म अटैक पार्ट वन भूमिका बनाने में भले थोड़ी देरी करती हो और इंटरवल के पहले हिस्से में इसकी गति मध्यम भी है लेकिन इंटरवल के बाद ये बिल्कुल धूम मचा जाती है। जॉन अब्राहम हिंदी सिनेमा की फ्रेंचाइजी फिल्मों का सबसे लोकप्रिय चेहरा रहे हैं और उनके चेहरे के मासूमियत के साथ उनकी आंखों में दिखने वाला विश्वास ही उनको इस किरदार के लिए बिल्कुल सही चुनाव बनाता है। फिल्म के एक्शन सीन्स खासे दमदार हैं और हिंदी सिनेमा में अरसे बाद कुछ अलग सा दिखने वाला एक्शन रचने के लिए इसकी पूरी टीम तारीफ की हकदार है।

जैकलीन का जानदार अभिनय

जॉन के अलावा फिल्म में जो कलाकार सबसे ज्यादा चौंकाता है वह हैं जैकलीन फर्नांडीज। आमतौर पर देह प्रदर्शन के लिए ही फिल्मों में जगह पाने वाली जैकलीन ने पहली बार अपने करियर में अच्छा अभिनय किया है। खासतौर से उस सीन में जब जॉन का सिस्टम रीबूट हो रहा होता है और कैशे क्लीयर होने से ठीक पहले दोनों की यादों की फाइल जॉन के दिमाग में चल रही होती है। रकुल प्रीत अपने करियर में जहां आ अटकी हैं, वहां उन्हें अब एक दमदार किरदार की जरूरत है। पूजा फिल्म्स की मालकिन बनने से पहले उनको अभिनय में थोड़ा नाम तो जरूर कमाना चाहिए। किरण कपूर को अरसे बाद परदे पर देखना अच्छा लगता है। प्रकाश राज और रत्ना पाठक ने अपने अपने किरदार यूं लगता है कि निपटा दिए हैं।

शाश्वत और आरिफ का कमाल

फिल्म को अपने पार्श्व संगीत और संपादन से सबसे ज्यादा मदद मिली है और इसके लिए शाश्वत सचदेव व आरिफ शेख तारीफ के सच्चे हकदार हैं। ये दोनों ही देखा जाए तो फिल्म के असल सितारे हैं। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी अलग अलग समय पर अलग अलग लोगों ने की है और इसके चलते भावनाओं के हिसाब से शॉट टेकिंग मे बदलाव भी नजर आता है। फिल्म की दो कमजोर कड़ियां हैं। एक तो इसकी पटकथा जिसमें प्रधानमंत्री और गृहमंत्री का आपसी प्रेम तो दिखाया गया है लेकिन दोनों के किरदार कैरीकेचर से आगे नहीं बढ़ पाए हैं।

फिल्म द कश्मीर फाइल्स के जरिए नफरत फैला रही है बीजेपी : शरद पवार

शरद पवार ने कहा – फिल्म को कर रियायत दी गई है, जिन लोगों के पास देश को एक रखने की जिम्मेदारी है, वे लोगों को ऐसी फिल्म देखने को कह रहे हैं जिससे लोगों में गुस्सा भड़के

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार ने भारतीय जनता पार्टी पर फिल्म ह्यद कश्मीर फाइल्स' के जरिए घाटी से कश्मीरी पंडितों के पलायन को लेकर ह्यदुष्प्रचार' फैला कर देश में ह्यजहरीला माहौल' उत्पन्न करने का बृहस्पतिवार को आरोप लगाया. पवार ने दिल्ली प्रदेश एनसीपी के अल्पसंख्यक विभाग के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, इन फिल्मों को प्रदर्शन के लिए मंजूरी नहीं दी जानी चाहिए थी. मगर इसे कर रियायत दी गई है और जिन लोगों के पास देश को एक रखने की जिम्मेदारी है, वे लोगों को ऐसी फिल्म देखने को कह रहे हैं जिससे लोगों में गुस्सा भड़के।

दिल्ली में पिछले तीन साल में एनसीपी का यह दूसरा कार्यक्रम था. पार्टी राष्ट्रीय राजधानी में 10 जून को अपना स्थापना दिवस मनाने के लिए एक बड़ी सभा करने की भी योजना बना रही है।

पवार ने कहा कि यह सच है कि कश्मीरी पंडितों को घाटी छोड़नी पड़ी थी लेकिन मुसलमानों को भी उसी तरह से निशाना बनाया गया था. उन्होंने कहा, पाकिस्तान स्थित आतंकी समूह कश्मीरी पंडितों और मुसलमानों पर हमले

के लिए जिम्मेदार हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार सच में कश्मीरी पंडितों की परवाह करती है तो उसे उनके पुनर्वास के लिए हर कोशिश करनी चाहिए और अल्पसंख्यकों को लेकर उनके मन में गुस्सा नहीं भड़काना चाहिए।

एनसीपी प्रमुख ने चर्चा में देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को घसीटने के लिए भी भाजपा को निशाने पर लिया और कहा कि कश्मीरी पंडितों को तब घाटी छोड़नी पड़ी थी जब विश्वनाथ प्रताप सिंह प्रधानमंत्री थे, उन्होंने कहा, वीपी सिंह की सरकार का समर्थन भाजपा कर रही थी. मुफ्ती मोहम्मद सईद गृह मंत्री थे और जगमोहन जिन्होंने बाद में भाजपा उम्मीदवार के तौर पर दिल्ली से लोकसभा चुनाव लड़ा, वह जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल थे।

पवार ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के तबके मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने जगमोहन के साथ मतभेदों को लेकर पद छोड़ दिया था और वह राज्यपाल थे जिन्होंने कश्मीरी पंडितों की कश्मीर घाटी से निकलने में मदद की।

उन्होंने ह्यद कश्मीर फाइल्स' फिल्म पर टिप्पणी के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को निशाना बनाने के लिए भी भाजपा की आलोचना की।

पवार ने कहा, राजनीतिक आंदोलनों का स्वागत है, लेकिन अल्पसंख्यकों के बारे में बोलने पर केजरीवाल की आलोचना की गई. भाजपा देश को एक अलग मार्ग पर ले जा रही है. वह देश की एकता को नष्ट कर रही है।

डेयरी उद्योग से कमाएं लाखों, चार लाख तक का लोन

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ऑटोमेटिक मिल्क कलेक्शन सिस्टम मशीन खरीदने के लिए अधिकतम 1 लाख रुपए तक लोन देता है, इसके अलावा भवन निर्माण के लिए 2 लाख रुपए, दूध ढोने वाली गाड़ी खरीदने के लिए 3 लाख रुपए और दूध को ठंठा रखने के लिए चिलिंग मशीन लगाने के लिए 4 लाख रुपए तक का आसान लोन दे रहा है।

लखनऊ (करण वाणी, न्यूज)। खेती किसानी के अलावा ऐसे कई व्यापार हैं, जिनकी मदद से किसान अच्छी कमाई कर सकते हैं. भारत में कृषि से इतर जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा पशुपालन पर निर्भर है. ऐसे में पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए सरकार डेयरी उद्योग से जुड़ी कई सारी योजनाएं लॉन्च करती रहती है. इन योजनाओं का फायदा उठाते हुए किसान डेयरी का धंधा कर लाखों रुपये कमा सकते हैं. इसके लिए बैंक से आसानी से लोन भी मिल जाता है।

भारतीय स्टेट बैंक डेयरी फार्म के बिजनेस के लिए आसानी से लोन देता है. एसबीआई ने कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने और डेयरी फार्म के बिजनेस को बढ़ाने के लिए विभन्न श्रेणियों में लोन दे रहा है. बैंक दूध इक्कठा करने के लिए भवन निर्माण, ऑटोमेटिक मिल्क मशीन, मिल्क कलेक्शन सिस्टम, ट्रांसपोर्ट के लिए उपयुक्त गाड़ी खरीदने के लिए बिजनेस लोन दे रहा है. इसके लिए लोन पर ब्याज दर 10.85% से शुरू होती है, जो कि अधिकतम 24% तक जाती है।

बैंक ऑटोमेटिक मिल्क कलेक्शन सिस्टम मशीन खरीदने के लिए अधिकतम 1 लाख रुपए तक लोन देता है. इसके अलावा भवन निर्माण के लिए 2 लाख रुपए, दूध ढोने वाली गाड़ी खरीदने के लिए 3 लाख रुपए और दूध को ठंठा रखने के लिए चिलिंग मशीन लगाने के लिए 4 लाख रुपए तक का आसान लोन दे रहा है.

इस लोन को वापस करने की अवधि 6 महीने से लेकर 5 साल तक की तय की गई है. खास बात यह है कि इस लोन को प्राप्त करने के लिए कोई संपत्ति गिरवी नहीं रखनी होगी. इस लोन से जुड़ी अधिक जानकारी के लिए आप एसबीआई की आधिकारिक वेबसाइट पर भी जा सकते हैं।

डेयरी फार्म के लिए सरकार की तरफ से सब्सिडी भी मिलती है. सरकार ने डेयरी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए डेयरी उद्यमिता विकास योजना स्टार्ट किया है. ऐसे में इस योजना के माध्यम से आप सरकार से डेयरी उद्योग बढ़ावा देने के लिए 25 फीसदी का अनुदान हासिल कर सकते हैं. यदि आप आरक्षित कोटे से हैं और 33 फीसदी सब्सिडी लेना चाहते हैं तो आपको 10 पशुओं के साथ इस बिजनेस को शुरू करना होगा. इसके लिए एक प्रोजेक्ट फाइल तैयार करके नाबार्ड के कार्यालय में संपर्क करना होगा। डेयरी उद्योग की सबसे खास बात है कि दूध से लेकर गाय के गोबर तक सब कुछ मार्केट में बिकता है. किसान इसे बेच लाखों रुपये कमा सकता है. गोबर का सबसे ज्यादा उपयोग आर्गेनिक खाद बनाने में किया जाता है. इससे बनी खाद फसल के लिए फायदेमंग होती है. ऐसे में किसान इसका उपयोग अपने खेत में भी कर सकता है. वहीं दूध से भी कई तरह के उत्पाद बनाए जाते हैं. दूध से पनीर, दही, घी, छैना, खोया आदि बनता है, जो बाजार में महंगे दाम पर बिकता है।

शुरू करें झींगा पालन का व्यवसाय

भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में झींगा मछली का बड़े स्तर पर पालन किया जाता है, हालांकि पहले इसकी खेती के लिए समुद्र के खारे पानी की आवश्यकता होती थी, लेकिन हाल के कुछ सालों में कृषि क्षेत्र में तकनीकी विकास और रिसर्च के चलते मीठे पानी में भी इसका पालन सम्भव हो पाया है।

लखनऊ (करण वाणी, न्यूज)। भारत में पिछले कुछ सालों में मत्स्य पालन क्षेत्र में भारी बदलाव आया है. सरकार किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए इस क्षेत्र के लिए तमाम तरह की योजनाएं लॉन्च करती रही है. इसके अलावा कुछ राज्यों में मछली पालन के लिए सब्सिडी भी दी जाती है।

भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में भी झींगा मछली का बड़े स्तर पर उत्पादन किया जाता है. हालांकि, पहले इसकी खेती के लिए समुद्र के खारे पानी की आवश्यकता होती थी, लेकिन हाल के कुछ वर्षों में कृषि क्षेत्र में तकनीकी विकास और रिसर्च के चलते मीठे पानी में भी इसका पालन सम्भव हो पाया है।

झींगा पालन के लिए सबसे पहले तालाब के लिए सही जगह का चुनाव करना बेहद जरूरी है. जिस मिट्टी पर आप तालाब का निर्माण कर रहे हैं, ध्यान रखें की उसकी मिट्टी दोमट हो. साथ ही इस बात को जेहन में जरूर रखें की तालाब का पानी पूरी तरह से प्रदूषण मुक्त हो और मिट्टी काबोर्नेट, क्लोराइड, सल्फेट जैसे हानिकारक तत्वों से मुक्त हो. तालाब के पानी ढलमान बनाए रखने के लिए चूने का उपयोग करते रहें. इसके अलावा तालाब में पानी भरने और निकालने के लिए उचित व्यवस्था होनी चाहिए।

नर्सरी में लगभग 20 हजार बीज की जरूरत पड़ती है, इनके संचयन के लिए अप्रैल-जुलाई का महीना उपयुक्त रहता है. झींगा पालन करने के लिए सबसे पहले तालाब की नर्सरी तैयार की जाती है. लेकिन उससे पहले झींगा बीजों के संचयन की प्रकिया को पूरा करना बेहद जरूरी है. सबसे पहले झींगा बीज के सभी पैकेट में तालाब का पानी भरकर 15 मिनट तक रखना चाहिए, ताकि पैकेट के पानी औ? तालाब के पानी का तापमान एक हो जाए।

इसके बाद उन्हें संचयन के लिए लिए छोटे गड्ढे या जगहों पर छोड़ा जाता है. जब ये झींगें 3 से 4 ग्राम तक हो जाएं, तो इन्हें हाथों में लेकर बहुत सावधानी से मुख्य तालाब में डालना चाहिए।

तालाब में डाले गए लार्वा के लगभग 50 से 70 प्रतिशत झींगें ही जीवित रहते हैं, तकरीबन 5-6 महीने में इसका सही तरीके से विकास हो जाता है. ऐसी स्थिति में इन्हें तालाब से निकालना शुरू कर देना चाहिए. कृषि विशेषज्ञों का कहना है एक एकड़ जलीय क्षेत्रों में तकरीबन 2-3 लाख तक का मुनाफा आसानी से कमाया जा सकता है।

लेमनग्रास के पौधें से 12 महीने लगातार मुनाफा

लेमनग्रास की पत्तियों का उपयोग सबसे ज्यादा परफ्यूम, साबुन, निरमा, डिटर्जेंट, तेल, हेयर आयल, मच्छर लोशन, सिरदर्द की दवा व कास्मेटिक बनाने में भी प्रयोग बनाने में भी प्रयोग किया जाता है, ऐसे में इन प्रोडक्ट्स को बनाने वाली फैक्टरियों में इस पोधे के तेल की काफी मांग होती है।

लखनऊ (करण वाणी, न्यूज)। भारत में किसानों के आर्थिक हालात सुधारने और जीवनस्तर को बेहतर करने के लिए सरकार की तरफ से तमाम तरह के प्रयास किए जाते रहे हैं. इसी कड़ी में एरोमा मिशन के तहत सुगंठित पौधों की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है. इन्हीं में से एक प्रयोग है लेमनग्रास की खेती. इस पौधे की सबसे खास बात ये है कि इसे सूखाग्रस्त इलाकों में भी लगाया जा सकता है।

कमाएं बंपर मुनाफा

लेमनग्रास की पत्तियों का प्रयोग परफ्यूम, साबुन, निरमा, डिटर्जेंट, तेल, हेयर आयल, मच्छर लोशन, सिरदर्द की दवा व कास्मेटिक बनाने में किया जाता है, ऐसे में इन प्रोडक्ट्स को बनाने वाली फैक्टरियों में इस पौधे के तेल की काफी मांग होती है. साथ ही एक अनुमान के मुताबिक, भारत हर वर्ष करीब 700 टन नींबू घास के तेल का उत्पादन करता है. इसके तेल को बाहर विदेशों में भी निर्यात किया जाता है. ऐसे में किसानों के पास इस पौधे की खेती कर लाखों का मुनाफा कमाने का अवसर है।

लेमनग्रास के पौधों की खासियत

लेमनग्रास के पौधे की खास बात ये है कि बंजर से बंजर जमीन पर उगाया जा सकता है. साथ ही इसकी खेती में लागत भी ज्यादा नहीं आती है, गोबर की खाद और लकड़ी की राख और 8-9 सिंचाई में ये पौधा तैयार होकर लहलहाने लगता है, एक बार इस इसके पौधों को लगाने के बाद आप 7 साल तक दोबारा बुआई से छुटकारा पा जाएंगे. हर तीन महीने के अंतराल पर किसान इस पौधे की पत्तियों की कटाई कर पूरे साल बढ़िया मुनाफा कमा सकते हैं।

लेमनग्रास पौधे इसकी खेती साल में किसी भी समय की जा सकती है, लेकिन अगर सबसे मुफीद महीने की बात करें तो फरवरी-मार्च या फिर जुलाई का महीना ज्यादा उपयुक्त मानते हैं. बंजर से बंजर जमीन पर इसकी खेती की जा सकती है. इस पौधे की खेती करते समय पौधे से पौधे के बीच दो-दो फीट की दूरी लेनी चाहिए ताकि पूरे फसल की विकास सही तरीके से हो सके।

ज्यपाल ने उत्तर प्रदेश-गुजरात मैत्री दिवस कार्यक्रम में किया सहभाग

युवा पीढ़ी को एक दूसरे की सांस्कृतिक विरासत को जानने का अवसर मिलेगा

लखनऊ (करण वाणी, न्यूज)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह, गोमतीनगर, लखनऊ में उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग तथा गुजरात राज्य के स्पोर्ट्स, यूथ एण्ड कल्चरल एक्टिविटी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ह्यएक भारत-श्रेष्ठ भारतह्ल योजना के अन्तर्गत गुजरात स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित ह्यउत्तर प्रदेश-गुजरात मैत्री दिवसह्ल कार्यक्रम में सहभागिता की।

राज्यपाल जी ने कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश और गुजरात के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किये गये विभिन्न सांस्कृतिक नृत्यों जैसे आदिवासी लोक नृत्य, गुजरात, मार्शल आर्ट नृत्य गुजरात, ढ़िढिया लोक नृत्य, करमा नृत्य, चरकुला नृत्य एवं फूलों की होली उत्तर प्रदेश, ढाल तलवार राष्ट्र नृत्य, गुजरात आदि को देखने के बाद अपार प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि काफी लंबे समय बाद दो राज्यों के कलाकारों द्वारा ऐसी अद्वितीय प्रदर्शन देखने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि गुजरात मेरा अपना प्रदेश है पर अब उत्तर प्रदेश भी मेरा है। उन्होंने विशेषकर आदिवासी कलाकारों की प्रसन्नता करते हुए कहा कि ये कलाकार सामान्य पृष्ठभूमि से आते हैं और खेतों में दिनभर कड़ी मेहनत एवं सादा भोजन करने के बावजूद अपनी संस्कृत को जीवित रखते हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत चरकुला नृत्य के बारे में बताया कि यह नृत्य ब्रज की होली का गौरव है और इस नृत्य का उद्गम राधारानी के जन्म से जुड़ा है जिसमें उनके जन्म पर उनकी दादी ने हर्षित होकर चक्र लेकर नृत्य किया था। उन्होंने कहा कि इससे हमें यह सीखना चाहिए कि हजारों वर्ष पहले भी बेटियों का सम्मान होता था इसलिए हमें इस प्रसंग से प्रेरणा लेकर सदैव बेटियों का सम्मान करना चाहिए।

राज्यपाल जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश और गुजरात के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान हमारी युवा पीढ़ी विशेषकर नवोदित कलाकारों के लिए एक संजीवनी साबित होगा। इसके साथ ही दोनों राज्यों की सांस्कृतिक विरासत को और मजबूत मिलेगी। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन हमारी संस्कृति को मजबूती प्रदान करते हैं तथा इससे युवा पीढ़ी को एक दूसरे की सांस्कृतिक विरासत को जानने एवं समझने का अवसर मिलता है। राज्यपाल जी ने कहा कि अनेकता में एकता के भाव का प्रदर्शन आज के कार्यक्रम की विशेषता है। राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने अपने सम्बोधन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की आज की जापान यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां कई सालों से निवास कर रहे प्रवासी भारतीय आज भी अपनी भारतीय संस्कृति को जीवित रखे हुए हैं और ये गौरव की बात है कि प्रवासी भारतीयों ने अपनी भाषा में ही प्रधानमंत्री जी से बातचीत की। यह दृष्टांत बताता है कि वहां सैकड़ों सालों से रहने के बाद भी प्रवासी भारतीयों ने अपनी संस्कृति वेशभूषा आदि को आज भी नहीं छोड़ा है। राज्यपाल जी ने गुजरात से आए सभी अधिकारीगण, कलाकारों को राजभवन घूमने हेतु आमंत्रित भी किया।

इस अवसर पर उपस्थित संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री जयवीर सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि यह अत्यन्त गर्व का विषय है कि उत्तर प्रदेश की धरती पर भगवान श्रीकृष्ण ने अवतरित होकर प्रदेश का ही नहीं बल्कि पूरे विश्व को एक नई दिशा एवं मार्गदर्शन दिया। उन्होंने गुजरात एवं उत्तर प्रदेश सरकार के मध्य हुए सांस्कृतिक एम0ओ0यू0 की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे दोनों ही प्रदेशों के मध्य सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा और कलाकार प्रोत्साहित होंगे।

कार्यक्रम में प्रमुख सचिव, संस्कृति एवं पर्यटन श्री मुकेश कुमार मेश्राम तथा प्रमुख सचिव स्पोर्ट्स, यूथ एवं कल्चरल एक्टिविटी गुजरात श्री अश्विनी कुमार ने दोनों राज्यों के मध्य हस्ताक्षरित हुए एम0ओ0य0 की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह एम0ओ0यू0 सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित होगा।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव गृह श्री अवनीश कुमार अवस्थी, विशेष सचिव संस्कृति, निदेशक अयोध्या शोध संस्थान श्री लवकुश द्विवेदी तथा उत्तर प्रदेश और गुजरात से आए अधिकारी एवं कलाकार उपस्थित थे।

नगर निकाय चुनाव में कांग्रेस नई रणनीति के साथ मैदान में, आवेदकों से मांगी 300 समर्थकों की लिस्ट

सात जोन में पार्टी कर रही है बैठकः कृष्णकांत पाण्डेय

लखनऊ (करण वाणी, न्यूज)। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता कृष्णकांत पाण्डेय ने बताया कि उत्तर प्रदेश में आगामी निकाय चुनावों में कांग्रेस पार्टी इस बार नयी रणनीति के साथ मैदान में उतरने की तैयारी में है। कांग्रेस पार्टी निकाय चुनावों के लिए पूरे राज्य में जोन वार मीटिंग कर रही है।

श्री पाण्डेय ने आगे बताया कि इन बैठकों में ब्लॉक स्तर तक के सभी विभागों, प्रकोष्ठों, के कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल हो रहे हैं। निकाय चुनाव सम्बन्धित होने वाली मीटिंगों के लिए पार्टी ने सात जोन चिन्हित किये हैं जिसमें एक जोन लखनऊ में ये मीटिंग संपन्न हो चुकी है। आगामी 24 मई को बरेली और 25 मई को मेरठ और जालौन में होने वाली है।

श्री पाण्डेय ने आगे बताया कि मीटिंग में जिन बिंदुओं पर बात होनी है वह इस प्रकार हैं। कांग्रेस पार्टी ने निकाय चुनाव लड़ने के लिए कुछ मानक तैयार किये हैं, पार्टी, चुनाव लड़ने के लिए इच्छुक लोगों से आवेदन फॉर्म भरवाने की प्रक्रिया अपना रही है, इस आवदेन के साथ चुनाव लड़ने के लिए इच्छुक व्यक्ति को अपने समर्थन के लिए उचित संख्या में लोगों को जुटाना होगा और उनका पूर्ण विवरण फॉर्म में लिखनी होंगी। यह संख्या अभी तक 300 रखी गयी है।

श्री पाण्डेय ने आगे बताया कि पार्टी ने चुनाव लड़ने के लिए एक लम्बा चौड़ा प्लान तैयार किया है जिसको मीटिंग में सभी लोगों के सामने रखा जा रहा है। इस प्लान में कांग्रेस की पुराने चुनावों में क्या स्थिति थी और उसका विश्लेषण है। साथ ही साथ इस प्लान में ये भी बताया जा रहा है कि पार्टी पहले किन-किन जगहों पर कमजोर रही और उसको कैसे सुधार सकते हैं। इस प्लान में पार्टी ने निकाय चुनाव जीतने के लिए कुछ बिन्दु भी तैयार किये हैं जो कि जनता से सर्वे करके और कुछ खास विशेषज्ञों से बात करके बनाये गए हैं।

साथ ही साथ पार्टी ने सोशल मीडिया पर विशेष ध्यान देते हुए आउटरीच को 3 से 4 गुना बढ़ाने का प्लान किया है। इसके लिए हर बूथ पर पार्टी ने एक व्हाट्सएप्प ग्रुप बनाने का निर्णय किया है और इन ग्रुप को सुचारु रूप से चलाने के लिए खास टीम तैयार की जा रही है। सोशल मीडिया के अन्य माध्यम जैसे फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम के लिए पार्टी ने कुछ खास प्लान तैयार किये हैं।

पार्टी इस बार चुनाव लड़ाने के लिए वार्ड प्रभारी भी नियुक्त करेगी और जिला स्तर तक की (शिकायत निवारण समिति) भी बनाने वाली है। ये कमेटी कार्यकताओं की समस्याओं को सुलझाने का काम करेगी साथ ही साथ उनके सुझावों पर भी काम करेगी।

श्री पाण्डेय ने अंत में बताया कि पार्टी ने साथ ही साथ डिजिटल मेम्बरशिप कराने का भी निर्णय लिया है।

तालिबानी शासकों का फरमान,

सिर से लेकर पैर तक ढक कर रखें महिलाएं

करण वाणी, न्यूज। तालिबानी शासकों की ओर से इससे पहले भी इस तरह के फरमान सुनाए जाते रहे हैं. पिछले महीने तालिबान ने महिलाओं को अकेले यात्रा करने से मना किया था. 1996 से 2001 के बीच तालिबान के पिछले शासन के दौरान महिलाओं पर इसी तरह के कई प्रतिबंध लगाए गए थे।

अफगानिस्तान के तालिबान शासकों ने एक बार फिर तुगलकी फरमान जारी किया गया है. तालिबानी नेताओं की ओर से शनिवार को फरमान जारी किया गया है. इसके मुताबिक, सभी अफगान महिलाओं को सार्वजनिक रूप से सिर से पैर तक कपड़े पहनने का आदेश दिया गया है. तालिबानी शासकों की ओर से ये भी कहा गया है कि जबतक जरूरी न हो, महिलाओं को घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए।

आदेश में ये भी कहा गया है कि महिलाओं को इस ड्रेस कोड के उल्लंघन पर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी. साथ ही उनके घर के पुरुषों को भी ड्रेस कोड के उल्लंघन के लिए जिम्मेदार माना जाएगा. इससे पहले भी तालिबानी शासकों की ओर से महिलाओं को लेकर कई फरमान सुनाए जा चुके हैं।

उधर, अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन ने कहा है कि इस फैसले के संबंध में तालिबान से स्पष्टीकरण मांगा जाएगा. मिशन की ओर से कहा गया कि महिलाओं को लेकर लिया गया ये फैसला तालिबान प्रतिनिधियों के उस बयान का खंडन करते हैं जिसमें अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भरोसा दिया गया था कि अफगानी महिलाओं के अधिकारों के साथ किसी

तरह का खिलवाड़ नहीं किया जाएगा।

इस फैसले को लेकर तालिबान के मंत्री खालिफ हनफी ने कहा कि हम चाहते हैं कि हमारी बहनें सम्मान और सुरक्षा के साथ रहें. उन्होंने कहा कि वे महिलाएं जो बहुत बूढ़ी या युवा नहीं हैं, उन्हें आंखों को छोड़कर, अपना चेहरा ढंकना चाहिए. हनफी ने कहा कि इस्लामी सिद्धांत और इस्लामी विचारधारा हमारे लिए किसी भी चीज से ज्यादा महत्वपूर्ण हैं।

वहीं तालिबानी सरकार के एक अधिकारी शिर मोहम्मद ने कहा कि अफगान महिलाओं के लिए हिजाब पहनना आवश्यक है और सबसे अच्छा हिजाब चदोरी (सिर से पैर तक बुर्का) है जो हमारी परंपरा का हिस्सा है और सम्मानजनक है।

व्हाइट नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने तालिबान के फरमान की निंदा की और उनसे इसे तुरंत वापस लेने का आग्रह किया. उधर, ह्यूमन राइट्स वॉच की महिला अधिकारी हीथर बर्र ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से तालिबान पर दबाव बनाने का आग्रह किया है. उन्होंने ट्विटर पर लिखा कि ये फैसला तालिबान के महिलाओं के अधिकारों पर बढ़ते हमले का प्रमाण है और ये काफी गंभीर है।

अमित शाह ने पार्टी नेताओं में भरा जोश, लोकसभा चुनाव 2024 के लिए दिया मंत्र

कोलकाता (करण वाणी, न्यूज)। गृहमंत्री अमित शाह ने बंगाल बीजेपी के नेताओं से साफ कहा कहा कि बंगाल की लड़ाई सूबे के स्थानीय नेताओं को पूरी ताकत के साथ लड़नी होगी. उन्हें हर बात के लिए दिल्ली की ओर देखने की प्रवृत्ति को छोड़ना होगा।

विधानसभा चुनाव के एक साल बाद अपने दो दिवसीय बंगाल दौरे पर कोलकाता पहुंचे गृहमंत्री अमित शाह ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को आगामी लोकसभा चुनाव के लिए जुटने और 2019 से बेहतर प्रदर्शन करने का लक्ष्य दिया. उन्होंने आपसी मतभेद भुलाकर पार्टी हित में काम करने को कहा।

दरअसल एक साल बाद कोलकाता आये अमित शाह ने शुक्रवार शाम भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, सांसदों और विधायकों के साथ करीब 3 घंटे तक बैठक की. सूत्रों के मुताबिक गृहमंत्री अमित शाह ने बंगाल बीजेपी के नेताओं से साफ कहा कहा कि बंगाल की लड़ाई सूबे के स्थानीय नेताओं को पूरी ताकत के साथ लड़नी होगी. उन्हें हर बात के लिए दिल्ली की ओर देखने की प्रवृत्ति को छोड़ना होगा।

बीजेपी के बैठक में गृहमंत्री ने कहा कि संगठन को दोबारा बूथ स्तर तक पूरी तरह मजबूत कर राज्य के सभी नेताओं, सांसदों और विधायकों को पूरी ताकत झोंकनी होगी. उन्होंने राज्य के नेताओं को कहा आप अपने आप पर विश्वास रख तैयारी में जुट जाओ, आगामी लोकसभा और अगले विधानसभा चुनाव में दो तिहाई बहुमत जरूर मिलेगा।

सूत्रों के मुताबिक गृहमंत्री ने बैठक में सभी नेताओं में ऊर्जा और जोश भरने के लिए गुजरात, बिहार सरीखे कई राज्यों का उदाहरण दिया और बताया कि सत्ता के शिखर तक पहुंचने या बने रहने के लिए किस तरह दूसरे राज्यों में भी नेता और कार्यकताओं ने कुर्बानी दी और जमीन पर लड़ाई लड़ी है तब जाकर वहां पर परिस्थिति बदलने में कामयाबी मिली. यहां तक कि गृहमंत्री ने खुद भी जिस तरह की विकट परिस्थितियों का सामना किया है उनका भी जिक्र कर बंगाल के नेताओं का हौसला बढ़ाने की कोशिश की।

बैठक में मौजूद सूत्रों का कहना है कि केंद्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने बंगाल बीजेपी के नेताओं को आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होने और जमीन पर ताकत झोंकने को कहा साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि संगठन की ताकत व्यक्ति विशेष के ताकत से बड़ी होती है लिहाजा सामूहिक रूप एक उद्देश्य के लिए सभी को जुटना होगा।

गौरतलब है कि गृहमंत्री अमित शाह ने बंगाल बीजेपी के सभी सांसदों, विधायकों और पदाधिकारियों की बैठक कर सूबे के नेताओं में आई सुस्ती और आपसी मनमुटाव को खत्म कर नई ऊर्जा भरने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक कोलकाता के एक होटल के सभागार में बुलाई थी।

पुलिस महानिदेशक ने की प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों के साथ भेंटवार्ता

लखनऊ (करण वाणी, न्यूज)। मुकुल गोयल, पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 से आज पुलिस मुख्यालय, स्थित सभागार में भारतीय प्रशासनिक सेवा (2020 बैच) के 11 प्रशिक्षु आई0ए0एस0 अधिकारियों द्वारा शिष्टाचार भेंट की गयी।

प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों द्वारा लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी के प्रशिक्षण कार्यक्रम के अनुरूप पुलिस विभाग की कार्य प्रणाली से भिज्ञ होने एवं डीब्रीफिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश पुलिस रेडियो मुख्यालय, महानगर, पीएसी मुख्यालय, महानगर व यूपी 112 मुख्यालय का भ्रमण करने के पश्चात पुलिस मुख्यालय में भेंटवार्ता, भ्रमण/प्रशिक्षण हेतु आगमन किये।

इस अवसर पर प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों द्वारा पुलिस मुख्यालय स्थित विभिन्न इकाईयों यथा-यातायात निदेशालय, पीएचक्यू, तकनीकी सेवाएं, सोशल मीडिया मॉनीटरिंग सेंटर व कानून-व्यवस्था में भ्रमण कर वरिष्ठ अधिकारियों व स्टाफ के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम के अनुरूप पुलिस कार्यप्रणाली के संबंध में प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया ।

मुख्यालय आगमन पर भेंटवार्ता के दौरान अपर पुलिस

महानिदेशक/पुलिस महानिदेशक के जी0एस0ओ0 द्वारा प्रशिक्षु अधिकारियों का संक्षिप्त परिचय दिया गया। पुलिस महानिदेशक श्री गोयल द्वारा प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों को मार्गदर्शन देते हुये अपने सम्बोधन में वर्तमान समय में प्रशासनिक सेवाओं के समक्ष चुनौतियों एवं प्राथमिकताओं के विषय में चर्चा करते हुये महिला सशक्तीकरण, पुलिस कार्यप्रणाली में आधुनिक तकनीकों के प्रयोग के साथ-साथ प्रशासनिक जीवन में पारदर्शिता एवं शुचिता पर बल दिया गया तथा कानून व्यवस्था व पुलिस के साथ कार्य सम्बन्ध आदि बिन्दुओं पर उनके जिज्ञासा भरे प्रश्नों का उत्तर देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गयी। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक लॉजिस्टिक, अपर पुलिस महानिदेशक कानून-व्यवस्था, अपर पुलिस महानिदेशक साइबर सेल, अपर पुलिस महानिदेशक पीएचक्यू, अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे, अपर पुलिस महानिदेशक प्रशासन, अपर पुलिस महानिदेशक स्थापना, अपर पुलिस महानिदेशक 112, अपर पुलिस महानिदेशक एसटीएफ, पुलिस महानिरीक्षक, कानून-व्यवस्था सहित पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सपा विधायक दल की बैठक में शामिल नहीं हुए आजम और शिवपाल

लखनऊ (करण वाणी, न्यूज)। उत्तर प्रदेश की 18वीं विधानसभा का सत्र शुरू होने से एक दिन पहले समाजवादी पार्टी (सपा) के मुख्यालय में रविवार को बुलाई गई विधायक दल की बैठक में पार्टी विधायक आजम खान और शिवपाल सिंह यादव शामिल नहीं हुए।

सपा नेताओं ने कहा कि हाल ही में सीतापुर जेल से जमानत पर रिहा हुए खान रामपुर में हैं और स्वास्थ्य कारणों से वह बैठक में शामिल नहीं हो सके.

रामपुर से सपा विधायक खान के अलावा उनके बेटे और विधायक अब्दुल्ला आजम और प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) के प्रमुख शिवपाल सिंह यादव भी विधायक दल की बैठक में शामिल नहीं हुए. अब्दुल्ला आजम रामपुर जिले की स्वार विधानसभा क्षेत्र से चुनाव में विजयी हुए हैं।

उन्होंने कहा कि वह (आजम खान) स्वास्थ्य कारणों से बैठक में शामिल नहीं हो सके। मेहरोत्रा ने बताया कि सोमवार को आजम खान विधानसभा सदस्य के तौर पर पहले शपथ लेंगे और उसके बाद सत्र में भाग लेंगे।

गौरतलब है कि आजम खान के खिलाफ रामपुर में जमीन हड़पने सहित 88 मामले दर्ज हैं और 20 मई को उच्चतम न्यायालय द्वारा धोखाधड़ी के एक मामले में अंतरिम जमानत देने के बाद उन्हें सीतापुर जेल से रिहा कर दिया गया था।

खान के मीडिया प्रभारी फसाहत अली खान ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर अपने सहयोगी (आजम खान) और मुस्लिम समुदाय की अनदेखी करने का आरोप लगाया था, जिससे समाजवादी पार्टी में दरार की अटकलें तेज हो गई थीं।

फसाहत अली खान ने आरोप लगाया था कि अखिलेश यादव जेल में

केवल एक बार आजम खान से मिले और पार्टी ने पिछले ढाई साल में उनकी रिहाई के लिए कोई प्रयास नहीं किया। सीतापुर जेल में आजम खान से मुलाकात के बाद अखिलेश यादव के चाचा शिवपाल सिंह यादव ने भी आरोप लगाया था कि सपा ने आजम खान की लड़ाई ठीक से नहीं लड़ी।

समाजवादी पार्टी के नेतृत्व से आजम खान के नाखुश होने की अटकलों को तब और बल मिला जब जेल में रहते हुये उन्होंने सपा के विधायक रविदास मेहरोत्रा से मुलाकात नहीं की, लेकिन एक दिन बाद ही वहां कांग्रेस नेता प्रमोद कृष्णम से मुलाकात की।

इसके बारे में सीतापुर जेल से रिहाई के बाद रामपुर पहुंचे आजम खान से जब शुक्रवार को पत्रकारों ने सवाल किया कि आप सपा के प्रतिनिधिमंडल से क?यों नहीं मिले तो उन्होंने कहा था कि मेरी तबीयत ठीक नहीं थी।

शिवपाल यादव की गैरमौजूदगी के बारे में मेहरोत्रा ने कहा कि ' हालांकि उन्होंने सपा के चुनाव चिन्ह (साइकिल) पर विधानसभा चुनाव जीता है लेकिन वह एक पार्टी के मुखिया भी हैं और पहले भी वह बैठक में शामिल नहीं हुए थे।

उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने विधायकों को विधानसभा के सत्र में जनहित के मामलों को प्रमुखता से उठाने को कहा है।

अयोध्या दौरे को लेकर राज ठाकरे ने बताई यात्रा स्थगित करने की वजह

लखनऊ (करण वाणी, न्यूज)। महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने अपने 5 जून को प्रस्तावित आयोध्या यात्रा को स्थगित कर दिया है. इस मामले में उन्होंने कहा कि उनके कुल्हे की हड्डी के जोड़ को बदलने के कारण ये यात्रा वे स्थगित कर रहे हैं।

पुणे में आयोजित एक सभा में राज ठाकरे ने कहा- 'मैं चाहता हूं कि मीडिया के भाइयों द्वारा कोई गलत सूचना न फैलाई जाए. कुछ दिन पहले मैंने कहा था कि अयोध्या यात्रा कुछ समय के लिए स्थगित कर दी गई है. लोग समर्थन में बात करने लगे और साथ ही कुछ लोग ऐसे भी थे जिन्होंने मेरे खिलाफ बात की. मैंने अपनी बात कहने के लिए इस दिन का इंतजार किया।

काफी समय से मैं आयोध्या आना चाह रहा हूं. मुझे पता है, यूपी में मौजूदा तनाव के साथ अगर मैं वहां गया होता, तो कोई मुझपर हमला कर देता और मेरे मनसे कार्यकर्ताओं द्वारा मुंहतोड़ जवाब दिया गया होता. फिर मेरे मनसे कैडर के खिलाफ केस होता. यह मेरे और मेरे मनसे के लिए एक जाल था. इसलिए मैंने थोड़ी देर प्रतीक्षा करने का फैसला किया है. मैं आलोचना के लिए तैयार हूं, लेकिन मैं अपने कार्यकर्ताओं को कानूनी लड़ाई में नहीं डाल सकता।

राज ठाकरे ने कहा- 'आप चाहते हैं कि मैं यूपी के लोगों से माफी मांगू. आपने इतने सालों तक मेरी माफी क्यों नहीं मांगी? मैं पूछना चाहता हूं कि गुजरात में जघन्य अपराध करने वाले यूपी के नेता से माफी क्यों नहीं मांगी गई।

मंत्री उदय सामंत ने कहा- सबूत दें राज ठाकरे

मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने अयोध्या दौरे को लेकर कहा कि उन्हें और उनके कार्यकताओं को फंसाने की साजिश थी. इसपर शिवसेना नेता और मंत्री उदय सामंत ने कहा कि ये कहना गलत है. अगर ऐसा है तो सबूत दें. आज नहीं जाऊंगा, कल नहीं जाऊंगा. ये अयोध्या जाएंगे कि नहीं पता नहीं, लेकीन 15 तारीख को शिवसेना नेता और मंत्री आदित्य ठाकरे अयोध्या जाएंगे और रामलला का दर्शन करेंगे।

राज ठाकरे का अयोध्या दौरा स्थगित पर सांसद बृजभूषण शरण सिंह संतुष्ट नहीं

मनसे प्रमुख राज ठाकरे का 5 जून का अयोध्या दौरा स्थगित होने की बात पर भाजपा नेता बृजभूषण सिंह ने कहा कि उत्तर भारतीयों से बिना माफी मांगे उन्होंने दौरा स्थगित किया है. बृजभूषण सिंह ने कहा- 'मेरा ये मानना है जब तक उत्तर भारतीयों से माफी नहीं मांगेंगे तब तक उनको आयोध्या में नहीं आने दिया जाएगा.' उनका दौरा रद्द नहीं हुआ है बल्कि स्थगित हो गया है.

वढ ळं' से बातचीत में बृजभूषण सिंह ने कहा- 'ये एक अवसर था जिससे वो चूक गए. अब उत्तर भारत के किसी भी प्रांत में अगर वो जाएंगे तो वहां का नौजवान उनका विरोध करेगा. इस अवसर से चूकने के बाद उत्तर भारत कैसा है वो सपने में देखेंगे. फिजिकली जाकर नहीं देख पाएंगे.'

इस सवाल पर कि अब राज ठाकरे नहीं आ रहे तो क्या 5 जून को प्रस्तावित कार्यक्रम रहेगा? इसका जवाब देते हुए बृजभूषण सिंह ने कहा – 'मेरा सब दौरा कायम है. उत्तर प्रदेश के कई दौरे हैं. बिहार और झारखंड का दौरा है. 4 जून को सरयू नदी पर आरती का कार्यक्रम है. मेरे सारे कार्यक्रम चलेंगे.'

'5 जून को 7 बजे हम अपने घर से प्रस्थान करेंगे. 9 बजे हम नए घाट पुल पर पहुंचेंगे. लाखों लोगों के साथ आयोध्या में प्रवेश करेंगे. उधर दूसरे पुल से लाखों लोगों के साथ प्रतिभूषण सिंह प्रवेश करेंगे. लखनऊ रोड पर लाखों लोगों के साथ तरनभूषण सिंह प्रवेश करेंगे. सुल्तानपुर और बरेली रोड पर लाखों लोगों के साथ सुमित भूषण करेंगे. इसके अलावा क्षेत्रीय लोग होंगे. सहयोगी होंगे. मेरे परिवार के 5 लोग होंगे.'

योगी जी का अद्भुत जन्मदिन मनेगा- बृजभूषण सिंह बृजभूषण सिंह ने कहा- 'हम सब आयोध्या पहुंचेंगे. योगी जी का जन्मदिन मनाएंगे. वैदिक रीति-रिवाज के साथ संस्कृत के विद्यार्थियों और साधू-संतों के साथ अद्भुत जन्मदिन मनाएंगे. फिर हनुमान जी का विजय दर्शन करेंगे. 2 बजे राम जी का दर्शन करेंगे. हमारा कार्यक्रम बिल्कुल अडिग है. उसमें कोई परिवर्तन नहीं है.'

ठाकरे के स्वास्थ्य के लिए जुट रहेः बृजभूषण

इस सवाल पर कि तब राज ठाकरे नहीं आ रहे फिर 5 लाख लोगों को इकट?ठा करने की क्या जरूरत है? इसपर बृजभूषण सिंह ने कहा कि उनके स्वास्थ्य के लिए ये सब कर रहे हैं. सुना है उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं है. वे जल्दी ठीक हो जाएं. वे देश के नागरिक हैं. जिम्मेदार व्यक्ति हैं. देश को उनकी जरूरत है.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सीमा सिंह द्वारा प्वांइट ऑफसेट, 86/98 कुर्मी टोला गुरुगोविन्द सिंह मार्ग, लालकुआं, लखनऊ-226018 से मुद्रित एंव पहाड़पुर, पोस्ट बंथरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- पंकज सिंह मो- 9415067370 E-mail:-karnvaninews@gmail.com website:- www.karnvaninews.com RNI-UPHIN/2016/74800